दो_लब्जों_की_कहानी_या_आप_यू_कह_लो_मेरी_आ_सच्ची_प्रेम_कहानी

लब्जो ही लब्जो ही मे वो अपनी ही लब्ज कह जाती मरे अन्दर बस तुम्हारा प्यार रह जाता है |

बात उस समय की है जब मै क्लास 6 मे पढ़ रहा था मै अपने घर को छोड़ पढाई के लिए शहर को चला गया मै वाहा हॉस्टल मे रहेने लगा मन तो करता की इस हॉस्टल को छोड़ कर घर को भाग जाऊ पर क्या करता मजबूरी थी मै हॉस्टल नहीं छोड़ सकता था बाद मे हॉस्टल मे मन लाग्ने लगा ओर तो अब क्या अब तो हॉस्टल मे ही रहना था ओर जब कभी स्कूल बंद होता तो मे आपने घर को जाता और वाहा खूब मजे करता दिसम्बर खत्त्म होने को था मै अपने घर को एक बार फिर से छोड़ कर आपने हॉस्टल को चला गया अब स्कूल मे छुट्टी भी खत्त्म हो चुकी थी शायद मुझे ठीक से याद नहीं की जनवरी का ओ कोन सा तारिख था मैंने एक लड़की को देखा ओर देखता ही रह गया उस का चेहरा आज तक मेरी आखों मे है अब मै आगे की कहानी क्या काहू अब तो सारा दिन उसी की यादों मे रहता अब मे रोज हॉस्टल से स्कूल के लिए १ घंटे पहले ही निकाल जाता क्यो की उस खास वजह थी की उसे देखन था मै तो उस से बात करना चाहता पर डरता था पर मै नहीं जनता था की वो मुझेसे बात करना चाहती है य नहीं उस दिन मै आपने हॉस्टल से स्कूल गया केमिस्टेरी के टीचर का कोई होमवर्क याद करना था या कॉपी मे फैयर करना था मुझे ठीक से याद नहीं क्या की मै भुलक्कर भी हु केमिस्टेरी के टीचर क्लास रूम मे आये ओर बोले चलो तुम लोग फैयर का कॉपी निकाल लो हम सबों ने फैयर कॉपी निकाल ली पर उस ने अपना कमिस्टेरी का कॉपी घर पे ही भुल गयी थी मुझा लगा की अब तो उसे टीचर से पिटाई लगेगी मेरा दिल नहीं मन रहा था टीचर ने उस से फैयर के लिए पूछा तो वह चुप सी हो गयी मै क्या करता मै आपने ही जगह पर खरे हो गया ओर बोल पारा लो तुम आफ्ना फैयर का कॉपी ले लो वह तो अब मुझे देखती ही रह गई टीचर ने बोला आगर तुम आफ्ना फैयर इस को दिखी तो बोल क्यो नहीं रही थी वह सकपका ते हुए बोली सर मुझे याद नहीं थी पर उस को बचाने के लिए मुझे मार पड़ी पर मै पहली वार मार खा के भी बहुत खुस था क्योकि ओ मार खाने बच गयी थी अब क्या था स्कूल मे छुट्टी हो चुकी थी पर मै आपने दोस्तो के साथ खेल रहा था पर हॉस्टल के छात्र को छोड़ बाकी के सभी आपने घर को चले गये थे पर ये क्या ओ तो स्कूल के कैम्पस के अंदर ही थी और रो रही थी मेरी नजर उस पे पड़ी मै एक दम से दंग रह गया मै नै उस से पूछा क्यो रो रही हो तो उस ने मुझ से झूठ कह दिया की उस के पैरो मै चोट लग गई है मै आपने आप को रोक न सका ओर बोल क्या तुम आफ्ना खियाल नहीं रख सकती यही मारी सब से बाड़ी भूल कहो या मेरा पागल पन उस ने मुझेसे कहा शायद तुम पागल हो मैंने बोला चलो मै तुम्हें स्कूल के बाहर छोड़ देता हु जब मै उसको स्कूल से बाहर को छोड़ने जा रहा था अब हम दोनों स्कूल के कैम्पस से बाहर थे वह मुझे बाय कह के जाने लगी तो मुझे लाग्ने लगा की मेरा मुझे कोई छुट रहा है मेरा दिल तड़प पड़ा मेरे मुख से निकाल पड़ा प्लीज कम बॅक माई लाइफ डीयर शायद उसने सुन ली ओर बोली प्लीज जाने दो न मैंने बोला ठीक से जाना तो उस ने बोली ठीक है बाबा मै ठीक से ही जाऊगी तुम भी अपना ख्हयिल रखना हम लोग भी स्कूल से हॉस्टल को चले गए पर उस का चेहरा मेरी आखों के सामने था फिर हम दोनों की मुलाक़ात स्कूल मै ही हुई हम लोगो का ३ घंटी या आप यू कह लो ३ क्लास ३ घंटी कोई टीचर नहीं आये उस ने कहा तुम्हें मेरी वजह से मर पड़ी इतना कह के फिर से ओ रोने लगी मै उसे किसी तरह चुप करा दिया पर ओ इस बात को भूलि नहीं मे क्या करता क्लासरूम मे कोई नहीं था मे उसे मैंने कहा चलो ज़ीरो कट्टो खेलते है वह मान गई हम दोनों एक दूसरे को काफी अच्छी तरह से जन गये हम दोनों की बीच दिन प्रतिदिन प्यार बढ़ता जा रहा था |

पर आचनक कुछ ऐसा हुआ की मुझे हॉस्टल छोड़ना पड़ा ओर मै आपने घर को चला आया मै उसे बाय भी नहीं बोल पाया |
मै उसका नाम तो भूल गया पर उसका चेहरा नहीं भुला पाया हु |
वही खुली हुई बाल आखों पे चस्मा आज तक मै उस लड़की को नहीं भूल पाया हु न ही उस लड़की को भूल पाऊगा |
उस समय मै क्लास ६ मे पढ़ रहा था ओर मै क्लास बी॰ए पढ रहाहु
ज़िन्दिगी मे ज़िदा रहने के लिये किसी की याद ही काफी है किसी से प्यार करो न की उसे बदनाम करो

मै राहे देखूगा कब मै उस मिल पाउगा पता नहीं ओ मिल भी पयेगी या नहीं
WRITEN BY STORY
BAIJU SINGH RATHOUR

rdxbaijusinghrathour@gmail.com